5. संज्ञा

संसार की प्रत्येक वस्तु, जीव, स्थान, प्राणी का नाम होता है। यह नाम ही संज्ञा कहलाता है। संज्ञा द्वारा ही किसी वस्तु को पहचाना जाता है।

- शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को संज्ञा की पुनरावृत्ति करवाएँ।
- बच्चों से संज्ञा की परिभाषा पूछें। तदुपरांत किसी स्थान, वस्तु या व्यक्ति का नाम भी पूछें।
- बच्चों से आसपास की पाँच संज्ञाओं को बताने को कहें।
- पाठ पृष्ठ 28-29 पर दिए व्यक्तियों, वस्तुओं, स्थानों, पशुओं तथा फल-सब्ज़ियों के नाम पढ़वाएँ।
- संज्ञा के भेदों के बारे में बताएँ। व्यक्तिवाचक संज्ञा के बारे में समझाते हुए बताएँ कि जो शब्द किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु, स्थान के बारे में बताते हैं, वे व्यक्तिवाचक संज्ञा होते हैं। जैसे विशेष व्यक्ति– महात्मा गांधी, विशेष वस्तु– सूरज, विशेष स्थान– ताजमहल आदि।
- बीच-बीच में बच्चों से बातचीत करते हुए जानें कि उन्हें ठीक प्रकार से समझ आ रहा है या नहीं।
- जातिवाचक संज्ञा समझाते हुए बताएँ, जिन शब्दों से किसी व्यक्ति, वस्तु तथा स्थान की पूरी जाति का बोध होता है, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे– लड़का शब्द से सभी लड़कों का बोध होता है। नदी कहने से सभी नदियों का बोध होता है, देश शब्द से सभी देशों का बोध होता है आदि।
- समझाएँ, मन में उठने वाले भावों तथा अवस्था के नाम भी संज्ञा होते हैं। भाववाचक संज्ञा, जैसे– खुशी का भाव, गुस्से का भाव, बुढ़ापे की अवस्था आदि।
- भिन्न-भिन्न प्रश्नों द्वारा इन भेदों को सरलता से समझाया जा सकता है।
- पाठ अभ्यास बच्चों से करवाएँ। यदि त्रुटि हो तो समझाते हुए त्रुटिशोधन करें।